4. 'ज़बान' निबंध के आधार पर बालकृष्ण भट्ट की निबंध शैली पर विचार प्रगट कीजिये। (12)

अथवा

'गाँव की अनिवार्य आवश्यकताएं' पाठ का प्रतिपाद्य लिखिए ।

5. संस्मरण के तत्वों के आधार पर 'गंगा स्नान करने चलोगे' पाठ की समीक्षा कीजिये। (12)

अथवा

लेखिका के प्रति गिल्लू के आत्मीयता स्वभाव का चित्रण कीजिए।

6. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए (7)

1. भारतेन्दुयुगीन नाटक ।
2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी ।
3. संस्मरण के तत्व।

munotes.in

28 Dec

[This question paper contains 4 printed pages.]

28 DEC 2022

Your Roll No. .....

Maitreyi College LIBRARY C Chanakyapuri

Sr. No. of Question Paper : 332

Unique Paper Code : 52051317

Name of the Paper : हिंदी गद्य का उद्भव और विकास हिंदी 'ग'

Name of the Course : **B.Com. (Programme)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (10+10)

(क) इतने बड़े हो गए, अभी तक पढ़ने जाते हैं । न जाने कब तक पढ़ेंगे और क्या करेंगे इतना पढ़ कर। हामिद के मदरसे में दो-तीन बड़े-बड़े लड़के हैं, बिल्कुल तीन कौड़ी के। रोज़ मार खाते हैं, काम से जी चुराने वाले। इस जगह भी उसी तरह के

लोग होंगे और क्या। क्लब घर में जादू होता है, वहां मुर्दे की खोपड़ियाँ दौड़ती हैं। और बड़े-बड़े तमाशे होते हैं, पर किसी को अन्दर नहीं जाने देते। और यहाँ शाम को साहब लोग खेलते हैं।

अथवा

सात बजते-बजते माँ का दिल धक् धक् करने लगा। अगर चीफ सामने आ गया और उसने कुछ पूछा, तो वह क्या जवाब देंगी । अंग्रेज को तो दूर से ही देख कर वह घबरा उठती थी, यह तो अमरीकी है। न मालूम क्या पूछे। मैं क्या कहूँगी। माँ का जी चाहा कि चुपचाप पिछवाड़े विधवा सहेली के घर चली जाए। मगर बेटे के हुक्म को कैसे टाल सकती थीं। चुपचाप कुर्सी पर से टांगे लटकाये वही बैठी रहीं।

(ख) कहने को मनुष्य के शरीर में 5 इंद्रियाँ हैं और यह पुतला उन्हीं 5 कर्मेंद्रियों का बना है किन्तु उन-उन इंद्रियों का प्राबल्य केवल अपने विषय में है अपना विषय छोड़ दूसरे के विषय में वे कुछ अधिकार नहीं रखतीं, जैसे कर्ण रूपी इन्द्रिय का अधिकार शब्द पर है तो कान को रूप से, जो नेत्र का विषय है कुछ सरोकार नहीं है। ऐसा ही नेत्र को त्वगिंद्रिय से, देख कर सुख जिसका अधिकार स्पर्श पर है, कुछ सरोकार नहीं है द्य कड़ी वस्तु देख कर नेत्र को न कुछ दुःख मिलता है न मुलायम को देख कर सुख। नासिका का विषय सुगंधि - दुर्गंधि है, शेष चार शब्द

स्पर्श रूप रस से नासिका को कोई प्रयोजन नहीं है।

अथवा

पाँचवीं आवश्यकता है - नदियों और महामारियों की बाढ़ से बचने की स्थाई व्यवस्था। देश के अनेक भागों में हर साल हाहाकार मचता है और सावन अगहन तक घोर संहार - लीला होती रहती है। कितने ही गाँवों का अस्तित्व ही मिट गया और अनेक गाँवों के बहुत से परिवार दीन-दुखी होकर भाग्य को कोस रहे हैं। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए योजनाओं की घोषणा का दूरागत संगीत स्वर सुनकर ही संतोष कर लेना पड़ता है ।

2. हिंदी कहानी की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

हिंदी रेखाचित्रें का संक्षिप्त परिचय दीजिए । (12)

3. 'ईदगाह' कहानी का सार लिखिए।

अथवा

'चीफ़ की दावत' कहानी की मूल सवेदना पर विचार कीजिए । (12)

P.T.O.

munotes.in